जनसम्पर्क कार्यालय: एमपी पावर मैनजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रदेश के अति उच्चदाब उपकेन्द्रों में रूफ टाप सोलर पैनल और एलईडी बल्ब लगाए जा रहे हैं – श्री सेठी

जबलपुर, 14 दिसंबर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री रवि सेठी ने कहा कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने भी अपने स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं एवं हमारे इस प्रयास को विभिन्न स्तरों पर मान्यता भी मिली है। इसी कड़ी में कंपनी द्वारा प्रदेश में स्थापित हो रहे नवीन उच्चदाब उपकेन्द्रों में प्रकाश व्यवस्था हेतु एलईडी बल्बों का उपयोग किया जा रहा है एवं पूर्व से ही विद्यमान अति उच्चदाब उपकेन्द्रों में सीएफएल एवं साधारण बल्ब के स्थान पर क्रमबद्ध तरीके से एलईडी बल्ब लगाने का कार्य जारी है। कंपनी द्वारा नव निर्माणाधीन अति उच्चदाब उपकेन्द्रों पर भी रूफटाप सोलर पैनल का प्रावधान किया जा रहा है। आइए हम सब मिलकर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयास जारी रखें। इस अवसर पर डायरेक्टर टेक्निकल श्री व्ही.के. तिवारी के निर्देशन तथा कार्यपालक निदेशक श्री समीर नागोटिया, मुख्य अभियंता श्री एस.ए. रिजवी, एफ.डी. ठाकुर, ए.के. चौबे एवं समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्य अभियंता श्री आर.के. खंडेलवाल द्वारा प्रबंध संचालक के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर ऊर्जा की बचत के संबंध में एक लीफलेट एवं ऊर्जा की बचत दर्शाते हुए स्टीकरों का विमोचन डायक्टर टेक्निकल द्वारा किया गया। पारेषण कंपनी के मुख्यालय स्थित सभी विभाग प्रमुखों एवं मध्यप्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा संदेश वाचन एवं ऊर्जा बचाने हेतु संकल्प लिया गया।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री रवि सेठी ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण दिवस के शुभ अवसर पर ऊर्जा की बचत हेतु मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऊर्जा का मितव्ययी उपयोग कर ऊर्जा संरक्षण के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्पित क्रियान्वयन की आवश्यकता है। दिन में सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग, भोजनावकाश के दौरान एवं कमरे से बाहर जाते समय पंखे, लाइट, एसी उपकरणों को बंद रखना, बल्ब और ट्यूबलाइट के स्थान पर एलईडी का उपयोग बिजली की खत में पर्याप्त कमी लाता है। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखकर हम सभी को ऊर्जा संरक्षण करते हुए ऊर्जा का बेहतर उपयोग अधिक जरूरतमंद क्षेत्रों में किए जाने हेतु सक्रिय योगदानदेना चाहिए।

श्री रवि सेठी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा "उजाला कार्यक्रम" के अंतर्गत एलईडी बल्ब पूरे देश में वितरित किए जा रहे हैं एवं साधारण बल्बों तथा सीएफएल के स्थान पर लगाए जा रहे हैं। एलईडी बल्ब की संचालन अवधि 25 से 30 हजार घंटे होती है। इस योजना में 17 नवंबर 2016 की स्थिति में राष्ट्रीय उजाला डैश बोर्ड के अनुसार 17.87 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए जा चुके हैं एवं इनके उपयोग से 2,32,03,045 एमडब्ल्यूएच प्रतिवर्ष बिजली की बचत हो रही है एवं प्रतिवर्ष 9.281 करोड़ रूपए की बचत होगी तथा ऊर्जा की मांग में 4645 मेगावाट की कमी हुई है। साथ ही साथ कार्बन डायआक्साईड का उत्सर्जन प्रतिवर्ष 1,87,94,467 टन कम हो रहा है। जैसे-जैसे एलईडी बल्ब की संख्या बढ़ेगी उक्त आंकड़े बदलते जाएंगे।

ऊर्जा बचत के क्षेत्र में भारत सरकार का "उजाला कार्यक्रम" क्रांति के रूप में कार्य कर रहा है एवं इसमें हर एक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उजाला कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी उजाला डैश बोर्ड की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.डीईएलपी.इन पर उपलब्ध है। उजाला कार्यक्रम से आम उपभोक्ताओं का बिजली का बिल भी कम होगा एवं पर्यावरण की भी रक्षा की जा सकेगी। इसी तारतम्य में हमारे प्रदेश में भी 6 माह के अल्प समय में 3 करोड़ एलईडी बल्ब लगाने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय उजाला डैश बोर्ड के अनुसार अभी तक हमारे प्रदेश में 17 नवंबर 2016 की स्थिति में 87,50,316 एलईडी बल्ब साधारण बल्ब की जगह लगाए जा चुके हैं जिससे 11,36,377 एमडब्ल्यूएच प्रतिवर्ष ऊर्जा की बचत की जा चुकी है एवं प्रतिवर्ष 455 करोड़ रूपए की बचत हो रही है तथा 228 मेगावाट पीक विद्युत की मांग में कमी आई है। साथ ही साथ प्रतिवर्ष 9,20,466 टन कार्बन डायआक्साईड का उत्सर्जन कम हो रहा है। इस प्रकार बची हुई ऊर्जा से दूसरे घरों को रोशन किया जा रहा है।

देश में सौर ऊर्जा से 70 से 210 गीगावाट उत्पादन की संभावना है। राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन के अंतर्गत भारत सरकार ने 2022 तक सोलर रूफ टाप पैनल की 40 हजार मेगावाट (40 गीगावाट) क्षमता ग्रिड से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। भारत सरकार द्वारा 5 वर्षों में (2014-15 से 2018-19 तक) 21 राज्यों में 27 बड़े सोलर पार्क स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिनकी कुल क्षमता 18418 मेगावाट है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश में भी 5 वर्षों में सौर ऊर्जा पार्क की स्थापना की जा रही है। इसी तारतम्य में 750 मेगावाट अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क 1400 हेक्टेयर क्षेत्रफल रीवा के पास ग्राम गुढ़ में प्रस्तावित है एवं इसी प्रकार कुल 2000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क नीमच, आगर, मंदसौर, शाजापुर, राजगढ़, छतरपुर तथा मुरैना में 6000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रस्तावित है। भारत सरकार द्वारा सभी मंत्रालयों/राज्य सरकारों/शैक्षणिक संस्थानों की इमारतों पर सोलर रूफ टाप पैनल लगाए जा रहे हैं। सौर ऊर्जा मिशन के पायलट प्रोजेक्ट के तहत भारत सरकार के गैर-परंपरागत ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 100 किलोवाट से 500 किलोवाट के रूफ टाप सोलर पैनल की स्थापना लगातार की जा रही है। इस कार्य में सोलर एनर्जी कार्पोरेशन आफ इंडिया को भारत सरकार द्वारा सौर ऊर्जा के प्रचार-प्रसार हेतु नोडल एजेंसी के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस हेतु मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत रूफ टाप सोलर ऊर्जा के विस्तार एवं संधारण हेतु "सूर्यमित्र" नियुक्त किए जा रहे हैं एवं "सूर्यमित्र" एप का भी शुभारंभ किया गया है।

भवन निर्माण में अक्षय ऊर्जा का उपयोग कैसे किया जाए इस हेतु “अटल अक्षय ऊर्जा” भवन के निर्माण हेतु नई दिल्ली में आधारशिला रखी जा चुकी है जो कि अपने आप में ऐतिहासिक भवन गैर-परंपरागत ऊर्जा क्रांति का उत्तम उदाहरण होगा।

समाचार क्रमांक: 466 /2016

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी